संप्रेषण की प्रकृति (Nature of Communication) :- संप्रेषण की प्रकृति को निम्नलिखित विशेषताओ द्वारा समझा जा सकता है

1 गतिशील प्रक्रिया (Dynamic Process)

संप्रेषण को विचारो का आदान प्रदान माना गया है। संप्रेषण एक स्थिर कार्य नही है, बल्कि एक गतिशील प्रक्रिया है। सूचना का आदान-प्रदान एक सतत प्रक्रिया है।

Scanned with CamScanner

Notes Date

2- संप्रेषण कौशल (Communication Skills):

:- संप्रेषण एक प्रकार से कौशल है, जिसके मुख्य चार अवयव होते है।

(a) - श्रवण कौशल Listening skills

(b) वाचक कौशल Speaking skills

(c) लेखन कौशल Writing skills

(d) पठन कौशल Reading skills

सामान्य रूप से हम लेखन कौशल और पठन कौशल पर अधिक बल देते हैं, जबकि वाचक कौशल और श्रवण कौशल कम महत्वपूर्ण नही है। श्रवण कौशल मे बहुत धैर्य की आवश्यकता होती है।

3- द्विमार्गीय संदेशवाहन two way Street)

सरल भाषा में प्रभावी संप्रेषण को दो तरफा रास्ता भी कहा जा सकता है। संप्रेषण को प्रभावी तभी माना जाता है जब प्रतिपुष्टि (Feedback) भी संप्रेषण प्रक्रिया का अंग ~~माना जाता~~ हो। जैसे एक शिक्षक को अपने छात्रो से कोई प्रतिक्रिया या प्रतिपुष्टि नही मिलती तो शिक्षण प्रक्रिया को निरर्थक या अप्रभावी माना जा सकता है।

4- संप्रेषण प्रक्रिया सदैव एक निश्चित सन्दर्भ एवं सम्बन्धित पहलू मे घटित होती है

(Communication takes place in Context and has a Relationship Aspect)"

Scanned with CamScanner

संप्रेषण का अर्थ या संदेश इस बात पर निर्भर करता है कि आप क्या कहते है और कैसे कहते है। एक ही संदेश को आधिकृत रूप (Authoritatively) या विनम्रता (Politely) से संप्रेषित किया जा सकता है। उदाहरण के लिए जब एक पानी के गिलास के लिए पूछा जाए, तो हम यह कह सकते है कि:

(a) कृपया मेरे लिए एक पानी का गिलास ले आइए
(b) मुझे एक पानी का गिलास दीजिए
(c) क्या मुझे एक गिलास पानी मिल सकता है?
(d) क्या तुम मुझे पानी का एक गिलास दे सकते हो?

5- समरूपता और अनुपूरकता (Symmetry and Complementarity): ये दोनो एक अच्छे संप्रेषण के आदान प्रदान का अभिन्न अंग होते है। समरूपता समानता को दर्शाती है और अनुपूरकता विशेषताओ मे मतभेद को दर्शाती है।

जैसे यदि दो छात्र, जो गणित मे बहुत अच्छे है, तो उनके बीच एक अच्छा सम्प्रेषण होगा। यह समरूपता मानी जाएगी।

यदि दो छात्रो मे से, एक छात्र गणित मे अच्छा है लेकिन अंग्रेजी मे कमजोर है और दूसरा छात्र अंग्रेजी मे अच्छा है लेकिन गणित मे कमजोर है। वो एक दूसरे के बीच अच्छा प्रशंसनीय सम्प्रेषण कर सकते है, क्योंकि वे एक दूसरे की कमियों की पूर्ति कर सकते है।

Scanned with CamScanner

6- संप्रेषण सदैव एक संदर्भ मे होता है (Communication always has a Context) - वॉटसन के अनुसार, बिना संदर्भ के, शब्दो और कार्यो का कोई अर्थ नही होता है। संप्रेषण के सन्दर्भ मे मुख्य चार आयाम है।

(a) भौतिक सन्दर्भ (Physical Context) यह स्थान की भौतिक परिस्थितियो (Physical conditions) को संदर्भित करता है। यह उस जगह को दर्शाता है, जहाँ पर संप्रेषण होता है, उदाहरणतया सम्मेलन कक्ष, शिक्षण कक्ष, खुली सभा इत्यादि।

(b) सामाजिक सन्दर्भ (Social Context)

सामाजिक सन्दर्भ मुख्य रूप से निम्न के बारे मे होता है

⇒ संदेश का अर्थ क्या लिया जाए, यह प्रेषक और प्राप्तकर्ता के पारस्परिक सम्बन्ध एवं भूमिका पर निर्भर करता है।

⇒ समाज के मानदण्ड और संस्कृति भी इसमे निर्णायक भूमिका अदा करते है।

उदाहरण के लिए कुछ व्यक्तियो का समूह यदि किसी विवाह समारोह मे मिलते है तो उनका संवाद अनौपचारिक होगा, यदि कार्यालय की किसी मीटिंग मे मिलते है तो वह औपचारिक होगा।

(C) मनोवैज्ञानिक सन्दर्भ (Psychological

Scanned with CamScanner

Notes Date

Context) — यह औपचारिक या अनौपचारिक मित्रता या अमित्रता आदि पर्यावरण सम्बन्धित विशेषताओं को संदर्भित करता है। यदि किसी दिन अध्यापक की मनोस्थिति (Mood) अच्छी नही है, तो इसका प्रभाव कुछ हद तक शिक्षण पर पड़ना स्वाभाविक है।

(d) 'सामयिक सन्दर्भ (Temporal Context)

— यह संप्रेषण मे समय तथ्य को संदर्भित करता है जैसे सुबह में, हम मुख्यतः जीवन के धार्मिक और आध्यात्मिक पहलुओं के बारे मे बात करते है, दिन के समय के दौरान, व्यवसाय सम्बन्धी पहलुओ इत्यादि के बारे मे बात करते है।

7 - सामान्य भाषा (Common Language) इस संदेश के प्रेषक और ग्रहीता के बीच बेहतर समझ विकसित करने मे सहायता मिलती है। इसके प्रभावी संप्रेषण हेतु मन का मिलन (Meeting of minds) भी आवश्यक है, कम से ऐसा मन्तव्य तो होना ही चाहिए। इसके अलावा प्रभावी सन्देश हेतु दोनो के लिए तात्पर्य (Gist) होना भी आवश्यक है।

8- भाव प्रदर्शन (Gestures) — संप्रेषण को संकेतो के माध्यम से भी आयोजित

Scanned with CamScanner

Notes — Date . .

किया जा सकता है। यह अनपरिहार्य नहीं
कि संप्रेषण सदैव मौखिक या लिखित हो,
संप्रेषण को शारीरिक संकेतों से भी आयोजित
किया जा सकता है। ~~इसका वर्णन आगे आगे~~
~~करेंगे~~ ।